CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

CBSE 2026-27

हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (Hindi Course A)

Subject Code: 002 | कक्षा दसवीं (Class X)

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 3

समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

1. यह अंक योजना केवल मूल्य-बिंदु एवं अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित नमूना प्रश्न पत्र (SQP) में दिए गए हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका के मूल्यांकन में उपयुक्त एवं सही वैकल्पिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. भाषा की शुद्धता, शब्द-सीमा तथा प्रस्तुति का ध्यान रखा जाए।

परीक्षा प्रारूप

खंड	प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
क	अपठित बोध — अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश (प्रत्येक में 3 बहुविकल्पीय ×1 + 2 लघु उत्तरीय ×2)	2	7	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण — वाक्य भेद, वाच्य, पद परिचय, अलंकार (प्रत्येक में 5 में से 4 अति लघु उत्तरीय ×1)	4	4	16
ग	क्षितिज-2 पठित गद्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 गद्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	क्षितिज-2 पठित काव्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 काव्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	कृतिका-2 — दीर्घ उत्तरीय (3 में से 2 ×4; 50-60 शब्द)	1	8	8
घ	अनुच्छेद लेखन (3 में से 1; लगभग 120 शब्द)	1	6	6
घ	पत्र लेखन — औपचारिक/अनौपचारिक (2 में से 1; लगभग 100 शब्द)	1	5	5
घ	स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्द)	1	5	5
घ	विज्ञापन अथवा संदेश लेखन (लगभग 40 शब्द)	1	4	4
	योग	**15**		**80**

इकाई-वार अंक भार

इकाई	इकाई का नाम	अध्याय / विषय	अंक
क	अपठित बोध	अपठित गद्यांश (7), अपठित काव्यांश (7)	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4), वाच्य (4), पद परिचय (4), अलंकार (4)	16
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (गद्य खंड)	नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज़, एक कहानी यह भी, नौबतखाने में इबादत, संस्कृति	11
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (काव्य खंड)	सूरदास के पद, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद, आत्मकथ्य, उत्साह व अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान व फसल, संगतकार	11
ग	पूरक पाठ्यपुस्तक — कृतिका भाग-2	माता का अँचल, साना-साना हाथ जोड़ि, मैं क्यों लिखता हूँ?	8
घ	रचनात्मक लेखन	अनुच्छेद (6), पत्र (5), स्ववृत्त/ई-मेल (5), विज्ञापन/संदेश (4)	20
	योग		**80**

खंड – क

अपठित बोध (14 अंक)

Q1. **[7]**

(i) (b) भारत के स्वर्णिम अंतरिक्ष अध्याय पर **[1]**
(ii) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(iii) (d) कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं **[1]**
(iv) (1) भारत ने 1969 में इसरो की स्थापना से अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत की, 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष गए। (2) 2025 में शुभांशु शुक्ला का आईएसएस पर पहुँचना इस बात का संकेत है कि भारत 'मानव अंतरिक्ष युग' में प्रवेश कर चुका है। **[2]**
(v) इस मिशन ने देश के लाखों बच्चों और युवाओं को प्रेरित किया कि वे भी असंभव लगने वाले लक्ष्य पा सकते हैं; अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी भारतीय युवा आगे बढ़ सकते हैं, यह विश्वास उनमें जागा। **[2]**

Q2. **[7]**

(i) (d) मेहनती और दृढ़-निश्चयी लोगों का गुणगान **[1]**
(ii) (b) मैं नया इंसान हूँ इस यज्ञ में सहयोग दूँगा **[1]**
(iii) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(iv) कवि ने परिश्रम को मानव जीवन का श्रेष्ठतम यज्ञ माना है। (1) परिश्रम सफलता का मूल आधार है। (2) लक्ष्य प्राप्त करने के लिए परिश्रम ही एकमात्र साधन है। **[2]**
(v) कविता साहस, संघर्ष और श्रम-शक्ति के बल पर आगे बढ़ने का संदेश देती है; जैसे 'जो भगीरथ नीर की निर्भय शिराएँ मोड़ते हैं', 'जो खदानें खोदते हैं' और 'जो प्रलय को रोकते हैं' पंक्तियाँ कठिन कार्य करने वालों के साहस को दर्शाती हैं। **[2]**

खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

Q3. **[4]**

(i) यद्यपि उसके पास घड़ी थी, तथापि वह ठीक नहीं थी। **[1]**
(ii) जब उनकी अंगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं तब उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। **[1]**
(iii) जब वह स्टेशन पहुँचा तब गाड़ी जा चुकी थी। **[1]**
(iv) चूँकि मैं बीमार था, इसलिए विद्यालय नहीं आया। **[1]**
(v) बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानी वाली थी। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q4. **[4]**

(i) बालगोबिन भगत ने पतोहू को मायके भेज दिया। **[1]**
(ii) दादाजी अब चल नहीं पाते। **[1]**
(iii) तुमसे जाया नहीं जा सकता। **[1]**
(iv) सभी बच्चों द्वारा पाठ पढ़ा गया। **[1]**
(v) भाववाच्य (क्रिया भाव प्रधान, अन्य पुरुष पुल्लिंग एकवचन में) **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q5. **[4]**

(i) संबंधबोधक अव्यय **[1]**
(ii) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, पूर्ण भूतकाल, कर्तृवाच्य **[1]**
(iii) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'रखी है' क्रिया की विशेषता **[1]**
(iv) संबंधबोधक अव्यय (तुलनात्मक) **[1]**
(v) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, अपूर्ण भूतकाल, कर्तृवाच्य **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q6. **[4]**

(i) उपमा **[1]**
(ii) उत्प्रेक्षा **[1]**
(iii) अतिशयोक्ति **[1]**
(iv) मानवीकरण **[1]**
(v) रूपक **[1]**

(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

Q7. [5]

(i) (b) तौलिए से [1]
(ii) (a) यही खानदानी रईसों का तरीका है [1]
(iii) (b) पतनशील सामंती वर्ग के दिखावे पर [1]
(iv) (a) खीरे की तैयारी और उसके 'इस्तेमाल' से [1]
(v) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। [1]

Q8. [6]

(i) साहब से तात्पर्य संत कबीर से है। भगत कबीर के निर्गुण भक्ति-दर्शन, सादगी, सत्य और आडंबर-विरोध से प्रभावित थे, इसलिए वे उनके पद गाते, उनके आदेशों पर चलते और अपनी हर चीज़ उन्हीं की मानते थे। [2]
(ii) भारतीयता के जीवन-मूल्य – सांप्रदायिक सौहार्द, देशभक्ति, विनम्रता, सादगी, हुनर और साधना जैसे गुण उनमें कूट-कूट कर भरे थे। 'भारत रत्न' व पद्मविभूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार जैसे सम्मान मिलने के बाद भी घमंड उन्हें छू तक नहीं गया था। बिना धन-लालसा के वे जीवन पर्यंत सुरों की साधना सादगी के साथ करते रहे, इसलिए वे सच्चे अर्थों में भारत रत्न थे। [2]
(iii) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया, अर्थात् अपनी बुद्धि और विवेक से एक नया तथ्य खोजा। [2]
(iv) कस्बे के नागरिकों द्वारा चौराहे पर नेताजी की मूर्ति स्थापित करने के प्रयास को सराहनीय कहा गया है। मूर्ति के रंग-रूप या कद से अधिक महत्त्व उस भावना का है, क्योंकि आज देशभक्ति भी मज़ाक की चीज़ बनती जा रही है। [2]
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q9. [5]

(i) (a) गला थकने और स्वर कमज़ोर होने लगना [1]
(ii) (a) उत्साह देने वाली शक्ति [1]
(iii) (a) सहानुभूति और साथ का [1]
(iv) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। [1]
(v) (a) प्रयास और अवसर दोबारा मिल सकता है [1]

Q10. [6]

(i) परशुराम के क्रोध से भरे आगमन पर सभा में भय छा गया। राजा सहमे बैठे थे। राम विनम्र रहे, पर लक्ष्मण से परशुराम की तीखी नोक-झोंक होने लगी। अंत में फरसा उठता देख लोग 'हाय-हाय' करने लगे और विश्वामित्र व राम ने स्थिति सँभाली। [2]
(ii) किसानों के परिश्रमी हाथों से उगी फसल गरिमामय है। उनके श्रम के स्पर्श से धरती हरी-भरी होती है, इसलिए यह गरिमा और महिमा उनकी मेहनत की है। [2]
(iii) कवि के जीवन का संबल उसकी प्रेयसी की मधुर स्मृतियाँ हैं, जो थके पथिक के लिए पाथेय के समान हैं। ये उसकी निजी निधि हैं, इसलिए उन्हें सबके सामने कहकर वह उनकी पवित्रता नष्ट होने या उपहास का पात्र बनने से बचाना चाहता है। [2]
(iv) 'उत्साह' कविता का मुख्य स्वर विद्रोह, क्रांति और नवजीवन का आह्वान है। कवि बादलों से बार-बार गरजने को कहता है – 'बादल बन बन झम-झम-झम गरजो' – ताकि तामसिक अंधकार और जीवन की दलदल से मुक्ति मिले और भाग्यों की दुर्बल डालें सीधी हों। कविता के हर अंश में परिवर्तन की तीव्र चाह और उल्लास का स्वर विद्यमान है। [2]
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q11. [8]

(i) बच्चे बूढ़े मूसन तिवारी को 'बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा' कहकर चिढ़ाते थे, जो बैजू ने सिखाया था। तिवारी ने गुरुजी से शिकायत की तो गुरुजी ने भोलानाथ को खूब पीटा। पिता ने आकर छुड़ाया। बाल-मनोविज्ञान – बच्चे शरारती, अनुकरणप्रिय होते हैं; किसी को चिढ़ाकर मज़ा लेते हैं पर दंड मिलते ही डरकर रो पड़ते और जल्दी भूल भी जाते हैं। (घटना – 2, बाल-मनोविज्ञान – 2) [4]
(ii) लेखिका ने देखा कि कटाओ जैसे बर्फीले, अत्यंत ठंडे इलाके में सैनिक निरंतर पहरा देते हैं। यह वाक्य पढ़कर उन्हें अहसास हुआ कि सैनिक हमारे आज की सुरक्षा के लिए अपना सुख-जीवन कुर्बान कर रहे हैं, जबकि हम सुविधाओं में रहते हैं। यह सोचकर वे उदास और भावुक हो गईं। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) [4]
(iii) हिरोशिमा का अणु-बम मनुष्य द्वारा निर्मित था; इससे शहर नष्ट हुआ, असंख्य लोग मरे, रेडियोधर्मिता से पीड़ित हुए और पत्थर पर छाया रह गई। ब्रह्मपुत्र में बम फेंकने की घटना भी इसी प्रकार की है। उपाय – परमाणु-निःशस्त्रीकरण पर वैश्विक संधियाँ; युद्ध की जगह संवाद व शांति-शिक्षा। (पुष्टि – 2, दो उपाय – 2) [4]
(किन्हीं दो के उत्तर पर 4×2=8 अंक)

खंड – घ

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

Q12. **[6]**

मुख्य बिंदु : स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन, बढ़ते रोग; जल्दी सोना-जागना, योग-व्यायाम, संतुलित आहार, मोबाइल का सीमित उपयोग; निरोग शरीर, प्रसन्न मन, कार्यक्षमता में वृद्धि। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : तुलसी की पंक्ति : परोपकार से बड़ा धर्म नहीं; दान, सेवा, रक्तदान, शिक्षा-सहयोग; प्रकृति के उदाहरण : नदी, वृक्ष, सूर्य; सच्चा आनंद। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : देश-दुनिया, खेल, विज्ञान की जानकारी; भाषा व शब्द-भंडार में वृद्धि, पढ़ने की स्वस्थ आदत; सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर जागरूक नागरिक; सामान्य ज्ञान में वृद्धि। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

Q13. **[5]**

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, संपादक; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : कचरा पृथक्करण का अर्थ; गीले-सूखे कचरे को अलग रखने के लाभ; अभियान की योजना, जागरूक परिवारों व बच्चों की भागीदारी; सफलता के परिणाम; अन्य मोहल्लों को प्रेरित करने हेतु समाचार-पत्र में प्रकाशन का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : स्थान व दिनांक; आदरणीय माताजी संबोधन; मुख्य भाग; सप्रेम चरण-स्पर्श व नाम। मुख्य बिंदु : पिता जी से मिली जानकारी पर चिंता; परिवार की देखभाल के साथ अपने स्वास्थ्य का महत्त्व; नियमित जाँच, संतुलित आहार, व्यायाम व पर्याप्त नींद; माता जी के स्वस्थ रहने से पूरे परिवार की खुशी व अपने प्रति आभार। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q14. **[5]**

प्रारूप : शीर्षक 'स्ववृत्त'; नाम, पता, दूरभाष, ई-मेल, जन्मतिथि; शैक्षणिक योग्यता; अनुभव; कौशल व रुचि; आवेदित पद; संलग्नक; दिनांक व हस्ताक्षर। मुख्य बिंदु : शारीरिक शिक्षा में स्नातक; बास्केटबॉल में लंबा अनुभव व खेल-उपलब्धियाँ; खेल-प्रशिक्षण में रुचि; राजकीय विद्यालय नई दिल्ली में पी.ई. शिक्षक पद हेतु आवेदन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक-ई-मेल, प्राप्तकर्ता-ई-मेल, विषय-पंक्ति, संबोधन, विषय-विवरण, समापन व नाम। मुख्य बिंदु : ऑर्डर व अग्रिम भुगतान का विवरण; सप्ताह भर का वादा तोड़ते हुए तीन सप्ताह बाद भी दवाएँ न पहुँचना; तुरंत दवाएँ भेजने या धनवापसी का आग्रह; उपभोक्ता कोर्ट में शिकायत दर्ज करने की चेतावनी। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q15. **[4]**

प्रारूप : आकर्षक शीर्षक, मुख्य संदेश, विशेषताएँ/लाभ, संपर्क-विवरण या आह्वान-वाक्य, प्रायोजक। मुख्य बिंदु : शीर्षक 'मतदान: हमारा अधिकार, हमारा कर्तव्य'; लोकतंत्र में मतदान का महत्व; योग्य नागरिकों से मतदान का आह्वान; मतदान-तिथि व केंद्र की जानकारी; चुनाव आयोग की ओर से। अंक-विभाजन : रचनात्मक प्रस्तुति 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

OR

प्रारूप : संबोधन, मुख्य संदेश, शुभकामना/बधाई, भेजने वाले का नाम व संबंध। मुख्य बिंदु : ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई; खेल-भावना व परिश्रम की सराहना; पदक जीतने की शुभकामना; देश का गौरव। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

*** * * END OF PAPER * * ***